तेरा सुमिरन | by Sheetal Pandey

तेरा सुमिरन तेरा दर्शन यही आधार मेरा
इसके बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूँ

मुझे है नाज़ प्रभु आपकी इस रेहमत पे
मैं तो हर रोज़ तेरे गीत गुनगुनाता हूँ
मुझे दरकार नहीं श्याम किसी उत्सव की
मैं तो होली दिवाली रोज़ ही मनाता हूँ
तेरा जलसा तेरा कीर्तन यही त्यौहार मेरा
इसके बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूँ

मैंने देखे हैं दुनिया भर के नज़ारे लेकिन
मेरे मन को तो श्याम बस तेरा ही दर भाये
तेरी चौखट पे सिर झुका के चैन मिलता यूँ
जैसे बच्चे को मा की गोद में सुकूं आये
तेरा मंदिर तेरा आँगन यही घर बार मेरा
इसके बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूँ

मेरे हाथों की लकीरों में जो लिखा ना था
मैंने तेरे दर से श्याम रिश्ता वो भी पाया है
मुझे जब भी पड़ी दरकार तेरी रेहमत की
श्याम प्रेमी के रुप में तू ही तो आया है
तेरे प्रेमी तेरे सेवक यही परिवार मेरा
इसके बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूँ
तेरा सुमिरन.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a8-by-sheetal-pandey/